



ब्रांड के नकली जूते बनाने वाली फैक्ट्री पर रेड

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

अमेरिकन शूज कंपनी के नाम पर बहादुरगढ़ में नकली जूते बनाकर बेचने का मामला सामने आया है। छापा मार कार्रवाई के दौरान न्यू बैलेंस ब्रांड के नाम से काफी नकली जूते व कच्चा माल बरामद हुआ है। कंपनी प्रतिनिधियों की शिकायत पर इस संबंध में आरोपी फैक्ट्री मालिक पर कॉपी राइट व ट्रेड मार्क एक्ट के तहत सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है।

मामला बहादुरगढ़ के एमआईई पार्ट बी में स्थित एक फैक्ट्री का है।

दरअसल, दिल्ली निवासी अंकित सिंह का कहना है कि वह न्यू बैलेंस एथलेटिक्स कंपनी में अधिकृत प्रतिनिधि है। बहादुरगढ़ के एमआईई स्थित कृष्णा फुटवियर कंपनी में न्यू बैलेंस एनबी नाम से जूते तैयार किए जा रहे हैं। इससे कंपनी और सरकार को हानि हो रही है। इस शिकायत पर सिटी पुलिस हरकत में आई। कंपनी प्रतिनिधि के साथ पुलिस ने एमआईई स्थित फैक्ट्री में छापा मारा। जांच के दौरान फैक्ट्री से जूते के 10 कार्डून व काफी कच्चा माल बरामद हुआ। जूते एनबी ब्रांड से हूबहू दिखाई प्रतीत हुए।

शुक्रवार रात को आई बरसात बनी मुसीबत

बारिश से बिजली लाइन में आया फॉल्ट, जले उपकरण

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

शुक्रवार देर रात आई बरसात के कारण डायमंड चौक क्षेत्र में बिजली लाइन में फॉल्ट आ गया। जिसके कारण जहां रात भर बिजली आपूर्ति बाधित रही वहीं कई घरों के बिजली उपकरण भी जल गए। दिनभर बिजली निगम कर्मचारी बिजली आपूर्ति सुचारु करने में जुटे रहे। वहीं, रात भर लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, बारिश के कारण मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बारिश में सड़कों पर पड़ा कूड़ा फैला : बरसात के कारण सड़कों पर पड़ा कचरा फैल गया, जिसके कारण दिनभर बदबू उठती रही और लोगों का जीना



झज्जर। बारिश के बीच से गुजरते हुए लोग।

बहादुरगढ़ में दिनभर होती रही बूंदबांदी

बहादुरगढ़। हलाके में पिछले 3 दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। शनिवार को भी सुबह से शाम तक आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर कभी हल्की बूंदबांदी तो कभी तेज बारिश होती रही। इसके चलते सड़कों पर कोंचड़ फैल गया, वहीं कई निचली कॉलोनियों में जलमय होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बागवाला मोहल्ला और झज्जर रोड पर जलमय के कारण स्थिति अधिक परेशानी वाली रही। मौसम में आए बदलाव से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को बारिश ने कुछ राहत दी। शनिवार को दोपहर के समय तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुहाल रहा। लोगों को अब बीमारियां फैलने का भी डर सताने लगा है। लोगों ने जिला

प्रशासन से कूड़ा उठाने की नियमित व्यवस्था करने की मांग की है।

टिनशेड का कार्य करते हुए नीचे गिरने पर प्रवासी श्रमिक की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव लुहारी में एक निर्माणधीन वेयरहाउस में कार्य करते हुए ऊंचाई से नीचे गिरने के कारण प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 23 वर्षीय शांति स्वरूप पुत्र कंधीलाल के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि शांति स्वरूप यूपी के पीलीभीत का रहने वाला था।

साथी अरुण कुमार ने बताया कि वह दो दिन पहले ही यहां निर्माणधीन वेयरहाउस में काम करने आया था। शुक्रवार को जब वेयरहाउस में टिन शेड लगाने का काम चल रहा था तो शाम करीब पांच बजे अचानक ऊपर से नीचे आ गया। नीचे गिरने से आई गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

सेवानिवृत्त बैंक कर्मों से पेंशन कार्ड बनवाने का झांसा दे 5.10 लाख ठगे

बहादुरगढ़। फेसबुक पर पेंशन कार्ड बनवाने का विज्ञापन देखकर आवेदन करना सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने पहले करीब 99 हजार रुपये और बाद में 4.10 लाख रुपये ठग लिए। पीडित देव सिंह का कहना है कि 15 जुलाई को फेसबुक चलते समय उन्हें बीओआई पेंशन कार्ड बनवाने संबंधी विज्ञापन दिखाई दिया। कॉल करने वालों ने पेंशन कार्ड बनवाने का भरोसा दिलाकर खाते से 89 हजार 501 रुपये और 9999 रुपये निकाल लिए। इसके बाद ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई थी। फिर भी 29 अगस्त को ठगों ने उनके दूसरे बैंक खाते से 4 लाख 10 हजार 600 रुपये और निकाल लिए। कुल 5 लाख 10 हजार 100 रुपये की चपत लगा दी।

अपॉइंटमेंट फाइल इंस्टाल करने के बाद निकले 2.77 लाख

झज्जर। खखाणा निवासी एक व्यक्ति के व्हाट्सएप पर एक अपॉइंटमेंट नामक एपीके फाइल आई और उसने चिकित्सक का अपॉइंटमेंट समझ कर इंस्टाल कर लिया। इसके बाद उसके पिता के खाते से दो माह की पेंशन सहित हजारों रुपये की राशि कट गई। उसके खाते से भी रुपये निकाल लिए गए। पीडित को 2 लाख 77 हजार 848 रुपये की चपत लगी। पुलिस को दी शिकायत में तेजपाल ने बताया कि एपीके फाइल इंस्टाल करने के बाद उसके पिता रामकरण के खाते से अलग-अलग ट्रांजक्शन से 78 हजार 849 रुपये कट गए तथा उसके खाते से एक लाख 98 हजार 998 रुपये कट गए।

SUNRISE HIGH SCHOOL
Babra Road, Silani Gate, Jhajjar
(Affiliated to CBSE, Bhabra, Haryana, Code : 17362)
(Permanent Recognized)

हरिभूमि समाचार पत्र
के 31वें स्थापन दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

MANAGED BY
SUNRISE SHIKSHA SAMITI, JHAJJAR
Contact: 9416492010, 9991879562 8307683493

Permanent Recognised School Code : 07490
R.S. MODERN SR. SEC. SCHOOL
Sonipat Road, Opp. Water Tank, Jhajjar

हरिभूमि समाचार पत्र के
31वें स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

सुरक्षित, अनुशासित एवं संरक्षित विद्यालय परिसर
बच्चों के अनुकूल एवं गतिविधि आधारित शिक्षा
योग्य एवं अनुभवी शिक्षक-शिक्षिकाएं
पी नर्सरी से कक्षा बारहवीं तक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम
सी-प्राइमरी बच्चों के लिए अलग खेल क्षेत्र
नैतिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण पर जोर

Director
Mr. Ghanshyam Verma

Principal
Mrs. Shashibala

M. 9812275155, 9050893058

R.E.D. GROUP OF SCHOOLS
CHHUCHHAKWAS | JHAJJAR | CHARKHI DADRI

आरईडी शिक्षण संस्थान के शिक्षा क्षेत्र में बेमिसाल 39 साल
शिक्षा क्षेत्र में जिले को प्रदेश में पहचान दिलाने वाला प्रथम शिक्षण संस्थान

आर.ई.डी. चरित्र माध्यमिक विद्यालय, छुछकवास व झज्जर जिले व प्रदेश के अग्रणी शिक्षा संस्थानों में एक है। 1987 में स्थापित इस संस्था ने इस क्षेत्र में शैक्षिक क्रांति का सूत्रपात किया जिससे यह क्षेत्र शिक्षा के पटल पर नई पहचान के साथ उभरा है। आज विद्यालय में 200 से अधिक गांवों व आस-पास के राज्यों के लगभग 3000 छात्र व छात्राएं अध्ययनरत हैं। दूर दराज व दूसरे राज्यों के छात्र छात्राओं की अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अलग-अलग छात्रावासों की व्यवस्था है। जिसमें 500 से अधिक छात्र-छात्राएं व अध्यापक रहते हैं।

प्रतिवर्ष विद्यालय के शानदार बोर्ड परीक्षा परिणाम के साथ-साथ अनेक छात्र IIT, AIPMT, CS, CA, ICWA व NDA आदि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का परचम लहराते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम सहगामी गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। जिसके लिए सदन, क्लब, इंटर ब्रांच, सहोदय, क्लष्टर आदि के माध्यम से स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना का विकास किया जाता है तथा बच्चों को अपने-अपने हुनर का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है।

खेलों के लिए स्थापित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस, स्वीमिंग, जूडो, बॉक्सिंग, फुटबॉल, एथलेटिक्स, बॉस्केटबॉल, योगा व अन्य खेलों के प्रशिक्षण हेतु 16 विशेषज्ञ खेल प्रशिक्षकों की व्यवस्था है। विद्यालय में अनुशासन, व्यक्तित्व विकास व संस्कारों पर विशेष जोर दिया जाता है ताकि छात्र न केवल सफल व्यक्ति बने बल्कि ईमानदार कर्तव्य निष्ठ संस्कारवान व सभ्य नागरिक बन सकें।

Hostel **Sports Complex**

31वें स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

CHHUCHHAKWAS

IIT-JEE • NEET • NDA • NTSE • KVPY • VVM

CHARKHI-DADRI **JHAJJAR**

Hostel Facilities for Boys And Girls at Chhuchhakwas Branch
For Online Registration & details visit our website www.redschools.org
Contact us : 9992114101 (Chhuchhakwas) 9992600417 (Jhajjar), 9992113926 (Dadri)

46 साल बाद 5 दोस्तों ने इकट्ठा होकर किया प्राथमिक शिक्षा का सम्मान



हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

शिक्षक और शिष्य के रिश्ते का सम्मान कभी कम नहीं होता। शिक्षक दिवस पर पांच बचपन के दोस्तों ने अपनी प्राथमिक शिक्षा को 46 वर्ष बाद घर जाकर सम्मानित कर मिसाल पेश की। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाकला के प्राचार्य वेद प्रकाश ने बताया कि उनके दोस्त केमिस्ट योगेश कुमार, व्यापारी

ईश्वर सिंह, स्कूल प्रबंधक रमेश चंद्र, दिल्ली पुलिस के एसएसआई धर्मवीर ने वर्ष 1980 में पहली से पांचवीं कक्षा तक उन्हें पढ़ाने वाली शिक्षिका शकुंतला देवी के घर पहुंच कर उन्हें सम्मान स्वरूप शॉल, मिठाई और पुष्पगुच्छ भेंट किए। सभी ने बचपन की यादें ताजा कीं। शिक्षिका भी अपने पुराने विद्यार्थियों को वर्षों बाद एक साथ देखकर भावुक हो गईं।

—संबंधित खबरें पेज 12 पर

सर्वभद्र गुप ने जन्माष्टमी महोत्सव में भक्तों को 600 पौधे किए वितरित



हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

सर्वभद्र गुप की ओर से आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में धर्म, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों में पौधे वितरित किए गए। गुप सदस्यों ने 600 से अधिक पौधों का वितरण किया, जिनमें तुलसी के पौधे भी शामिल रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता मनीष बंसल और रागनी गायक राजवीर दुजानिया ने

मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। योगाचार्य कृष्ण दत्त, शिव शंकर और गौरव असीजा ने भी लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर गुप अध्यक्ष अजीत कुमार सांभरवाल, मोहित राठौड़, प्रतीक, विष्णु, मुकुल, अनिल कुमार, लक्ष्य वर्मा, प्रविंद्र, दुष्यंत, जय भगवान, मनोज, सजना, भूमि, निशा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

कॉलेज में आम जनता के लिए खुली लाइब्रेरी

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ की लाइब्रेरी अब आम जनता के लिए भी खोल दी गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पहल के तहत शुरू की गई इस सुविधा से विद्यार्थियों के साथ क्षेत्र के नागरिक भी अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। प्राचार्य सुमन हुड्डा ने बताया कि कोई भी इच्छुक नागरिक कार्यालय अवधि के दौरान लाइब्रेरी में आकर अध्ययन कर सकता है। लाइब्रेरी पूरी तरह सेंट्रल एयर कंडीशंड है।



Your Faith Is Our Strength Institute For Competition ESTD.: 2004

CAMBRIDGE
INTERNATIONAL SENIOR SECONDARY SCHOOL
Delhi Road, Rashalwala Chowk, Bhadana (Jhajjar)
Affiliated to C.B.S.E. New Delhi | Code No. : 531213 NEET, IIT & NDA में लहराया परचम

NEET - 2026

NEET AIR 103
ANSHU DAKHA
District Topper
D/o Mr. Pardeep Dhaka Police line Jhajjar

ARVIND SEHWAG
S/o RAKESH KUMAR BORIA
NEET Score : 581
AIR: 17559 Rank : 1998
Selection in MBBS
Shri Atal Bihari Vajpayee Medical College Faridabad

IIT
Bhoomi Deshwal (Bhadani)
S/o Mr. Devender Kumar

having 22 years of Excellence
Where Dreams Come True.....

हरिभूमि समाचार पत्र के
31वें स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

Director : Dharmender Joon, M.A. (Eng.) M.Ed.
Mobile : 9034700144, Off : 8708056244 E-mail : cambridgebhadana@gmail.com

JJ INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
(जीवन ज्योति हॉस्पिटल)
SUPER SPECIALITY HOSPITAL, BAHADURGARH

स्वास्थ्य सेवा में गौरवपूर्ण 23 साल
2003-2026

SECONDARY CARE SERVICES

Obs & Gynae Paediatric & New Born Care Orthopaedics Medicine Surgery Ophthamology Physiotherapy ENT

SUPER SPECIALITY SERVICES

IVF & Test Tube baby Joint Replacement, Arthroscopy & Spine New Born Intensive care Neurology & Neurosurgery Urology, Andrology & Stone Clinic Gastroenterology Dialysis ICU & Critical Care

24 HOURS EMERGENCY **6 VARIETY OF ROOMS** **MULTI SLICE CT SCAN & ULTRASOUND**

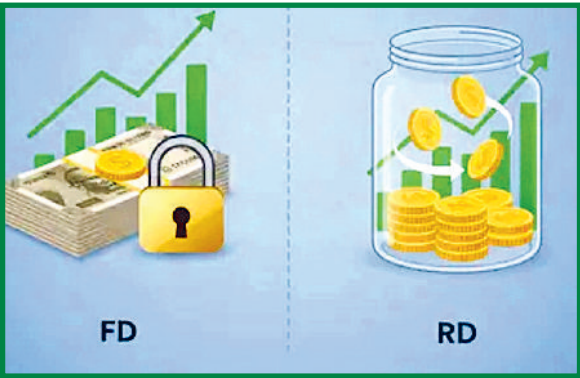
FULLY AUTOMATED LAB **ICU, NICU & PAEDIATRIC ICU** **BLOOD CENTER**

Metro Pillar No. 792, Bahadurgarh (HR) -124507
Ph. No. : 7056100100, 7056682006, 7056682015
© cm@jjmedicalinstitute.com © jjmedicalinstitute.com

ROOTS IVF & FERTILITY **CARDIOLOGY DEPARTMENT**

ON OUR PANEL: ECHS, ESIC, DTC, AAYUSHMAAN BHARAT, HARYANA GOVERNMENT, DELHI GOVERNMENT (DGHS), DMRC, INDIAN OIL, HPCL & ALL INSURANCE CO.

हरिभूमि **हरिभूमि के 31वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं**



आरडी या एफडी, निवेश के लिए कौन सा विकल्प बेहतर

बचत
बिगनेस डेस्क

बचत को सुरक्षित रखने और उस पर निश्चित रिटर्न हासिल करने के लिए बैंक की सावधि जमा यानी एफडी और आवर्ती जमा यानी आरडी आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय विकल्प हैं। दोनों में बैंक में पैसा जमा किया जाता है और तय अवधि पूरी होने पर मूलधन के साथ ब्याज मिलता है। हालाँकि दोनों योजनाओं की कार्यप्रणाली अलग है। इसलिए निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर करने के बजाय अपनी आमदनी, उपलब्ध रकम और भविष्य की जरूरत के हिसाब से करना ज्यादा समझदारी है।

पहले समझें एफडी और आरडी में अंतर

एफडी में निवेशक एकमुश्त रकम बैंक में जमा करता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति के पास पांच लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है और उसे तत्काल इसकी जरूरत नहीं है, तो वह अपनी पसंद की अवधि के लिए एफडी करा सकता है। अवधि पूरी होने पर उसे मूलधन के साथ निश्चित ब्याज प्राप्त होता है। वहीं आरडी में एक साथ बड़ी रकम जमा करने की जरूरत नहीं होती। इसमें निवेशक हर महीने एक निश्चित रकम जमा करता है। जैसे कोई व्यक्ति हर महीने 5 हजार रुपये आरडी में जमा करता है तो तय अवधि तक वह नियमित रूप से यह रकम जमा करता रहेगा। इस तरह छोटी-छोटी बचत मिलकर भविष्य के लिए बड़ा कोष तैयार कर सकती है।

निवेश की अवधि पर भी रखें ध्यान में

एफडी या आरडी चुनते समय निवेश की अवधि का भी ध्यान रखना चाहिए। पैसा कितने समय के लिए अलग रख सकते हैं, यह पहले तय करें। यदि रकम किसी नजदीकी जरूरत के लिए चाहिए तो पूरी राशि की लंबी अवधि के लिए जमा करना उचित नहीं हो सकता। निवेश करने से पहले बैंक की ब्याज दर, समय से पहले जमा तोड़ने के नियम और मिलने वाले ब्याज पर लागू कर व्यवस्था को भी समझ लेना चाहिए। अलग-अलग बैंकों की दरें और शर्तें अलग हो सकती हैं।

लार्जकैप की गिरावट क्या निवेश का मौका

मिड-स्मॉलकैप की तेजी के बाद पोर्टफोलियो रीबैलेंस करने पर विचार ■ 2026 में अब तक लार्जकैप फंड औसतन 2.36 फीसदी नीचे ■ मिडकैप ने 8.47 फीसदी और स्मॉलकैप ने 15.32फीसदी रिटर्न दिया ■ विशेषज्ञों की सलाह-तेजी वाली श्रेणियों में कुछ मुनाफावसूली कर जोखिम के मुताबिक संतुलन बनाएं

निवेश मंत्रा
बिगनेस डेस्क

शेयर बाजार में 2026 के दौरान अ ल ग - अ ल ग आकार की कंपनियों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला है। इस साल अब तक लार्जकैप म्यूचुअल फंडों का औसत रिटर्न 2.36 प्रतिशत नकारात्मक रहा है। इसके उलट मिडकैप फंडों ने औसतन 8.47 प्रतिशत और स्मॉलकैप फंडों ने 15.32 प्रतिशत रिटर्न दिया है। आंकड़ों का यह अंतर उन निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके पोर्टफोलियो में तीनों श्रेणियों के फंड शामिल हैं। मिडकैप और स्मॉलकैप में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब सवाल यह है कि क्या निवेशकों को इन श्रेणियों में तेजी का फायदा उठाकर कुछ मुनाफा सुरक्षित करना चाहिए और लार्जकैप में पैसा बढ़ाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका जवाब किसी एक श्रेणी को चुनने के बजाय पोर्टफोलियो के मौजूदा संतुलन, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि में छिपा है।



तेजी के बाद मुनाफावसूली पर विचार करना जरूरी

मनी हनी फाइनेंशियल सर्विसेज के संस्थापक अनुप भैया के मुताबिक मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों को पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग पर विचार करना चाहिए। मिडकैप और स्मॉलकैप में अच्छी तेजी के बाद निवेशक इन फंडों में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचकर मुनाफा सुरक्षित कर सकते हैं। इस रकम के एक हिस्से को लार्जकैप फंडों में लगाया जा सकता है। इस रणनीति का मकसद किसी एक श्रेणी से पूरी तरह बाहर निकलना नहीं है। बल्कि लंबे समय के लिए तय किए गए परिसंपत्ति-वितरण को बनाए रखना है। मसलन, अगर किसी निवेशक ने शुरुआत में अपने इक्विटी पोर्टफोलियो का एक निश्चित हिस्सा मिडकैप और स्मॉलकैप में रखने का फैसला किया था और तेजी के कारण इनकी हिस्सेदारी काफी बढ़ गई है, तो कुछ मुनाफावसूली करके मूल अनुपात के करीब लौटना जोखिम को नियंत्रित करने का तरीका हो सकता है।

लार्जकैप में गिरावट को अवसर की तरह देखें

लार्जकैप फंडों के नकारात्मक रिटर्न को देखकर निवेशकों में चिंता होना स्वाभाविक है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में कमजोर प्रदर्शन करने वाली श्रेणी को केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बड़े और स्थापित कारोबार वाली कंपनियों के शेयरों में आई नरमी कुछ निवेशकों के लिए लंबी अवधि में अवसर भी बन सकती है। मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के मूल्यांकन पहले की तुलना में अधिक संतुलित हो रहे हैं। ऐसे में लंबी निवेश अवधि वाले निवेशक एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

मिडकैप-स्मॉलकैप से पूरी तरह निकलना जरूरी नहीं

मिडकैप और स्मॉलकैप में इस साल बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि निवेशकों को इनसे पूरी तरह पैसा निकाल लेना चाहिए। अरिहत कैपिटल मार्केट्स की मुख्य रणनीति अधिकारी श्रुति जैन के मुताबिक, तेजी के बाद कुछ मुनाफा बुक करना अच्छी आदत है, लेकिन इसे इन श्रेणियों से पूरी तरह बाहर निकलने का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में लंबे समय में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी लार्जकैप की तुलना में अधिक हो सकता है।

निवेशकों के लिए पांच जरूरी बातें

- हालिया रिटर्न देखकर फैसला न लें: पिछले प्रदर्शन को नकल करने के बजाय भविष्य के लक्ष्य और जोखिम को देखें।
- समय-समय पर रीबैलेंस करें: किसी एक श्रेणी में हिस्सेदारी बहुत बढ़ने पर पोर्टफोलियो को मूल लक्ष्य के करीब लाएं।
- तेजी में पूरा पैसा न लगाएं: मिडकैप और स्मॉलकैप के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी निवेश चरणबद्ध तरीके से करें।
- गिरावट में घबराएं नहीं: लार्जकैप में कमजोरी लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर बन सकती है, लेकिन निवेश कंपनी और फंड की गुणवत्ता देखकर ही करें।
- निवेश अवधि का ध्यान रखें: छोटी अवधि में जरूरत पड़ने वाले पैसे को अधिक जोखिम वाली श्रेणियों में लगाने से बचना चाहिए।

अगस्त में विदेशी फंडों का जलवा 36.42 प्रतिशत तक मिला रिटर्न

- क्या अब ग्लोबल निवेश बढ़ाने का सही समय
- टॉप-15 में 12 फंड अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़े रहे
- ताइवान व अमेरिकी टेक शेयरों ने दिया जोरदार सहारा
- विशेषज्ञ बोले- एक महीने की बाजार में आई तेजी को देखकर अपने निवेश की रणनीति को न बदलें

जानकारी
बिगनेस डेस्क

अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन ने निवेशकों का ध्यान अंतरराष्ट्रीय बाजारों की ओर खींचा है। महीने के दौरान सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंडों में विदेशी बाजारों में निवेश करने वाले फंडों का दबदबा रहा। करीब 613 इक्विटी फंडों के प्रदर्शन में शीर्ष पर रहने वाले फंड ने अगस्त में 36.42 प्रतिशत का रिटर्न दिया। टॉप-15 में 12 फंड अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़े रहे। इस प्रदर्शन ने एक बार फिर पोर्टफोलियो में विदेशी निवेश शामिल करने की चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ एक महीने के असाधारण रिटर्न को देखकर निवेशक अपने पोर्टफोलियो में ग्लोबल फंडों की हिस्सेदारी अचानक नहीं बढ़ाएं। अगस्त का प्रदर्शन कुछ खास बाजारों, क्षेत्रों और मुद्रा में आए बदलाव का परिणाम रहा है। अगस्त में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड डीएसपी वर्ल्ड गोल्ड माइनिंग ओसीज इक्विटी ओएमजी एफओएफ रहा। इसने महीने में करीब 36.42 प्रतिशत रिटर्न दिया। इसके बाद निप्पोन इंडिया ताइवान इक्विटी फंड रहा, जिसने 21.30 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी ओएमजी एफओएफ ने भी 20.82 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की। आईसीआईआई प्रूडेंशियल स्ट्रेटेंजिक मेटल एंड एनर्जी इक्विटी फंड ऑफ फंड ने 15.48 प्रतिशत रिटर्न दिया। वहीं मिररे एसेट एनवाइरंसई एफएएलजी+ईटीएफ एफओएफ ने 11.48 प्रतिशत का रिटर्न दिया।

अमेरिकी टेक और ताइवान के बाजार ने दिया जोर

अगस्त में अंतरराष्ट्रीय फंडों के बेहतर प्रदर्शन की प्रमुख वजह विदेशी शेयर बाजारों में आई तेजी रही। खासकर अमेरिका के तकनीकी और वृद्धि आधारित शेयरों को मजबूत प्रदर्शन का फायदा मिला। ताइवान का बाजार भी इस दौरान तेजी से बढ़ा। अगस्त में ताइवान का बाजार करीब 11 प्रतिशत चढ़ा। इसी अवधि में एसएंडपी 500 करीब 4 प्रतिशत और नैस्डैक करीब 6.7 प्रतिशत बढ़ा। ताइवान के बाजार को कुत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े हाईटेक, सेमीकंडक्टर और मेमोरी चिप कंपनियों की तेजी से फायदा मिला। अमेरिकी बाजार में भी कुत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। इसका सीधा फायदा उन म्यूचुअल फंडों को मिला, जिनके पोर्टफोलियो में इन बाजारों और क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। यानी अगस्त का शानदार प्रदर्शन पूरे अंतरराष्ट्रीय फंड वर्ग का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि कुछ खास बाजारों और थीम का प्रदर्शन इसमें बड़ी भूमिका निभाता है।

रुपये की कमजोरी ने भी बढ़ाया रिटर्न

विदेशी फंडों के रिटर्न में केवल विदेशी शेयर बाजारों की तेजी का योगदान नहीं रहा। मुद्रा विनियम्य दर में बढ़ाव ने भी निवेशकों के रिटर्न को प्रभावित किया। जब भारतीय रुपया विदेशी मुद्रा के मुकाबले कमजोर होता है तो निवेश में किए गए निवेश की रुपये में कीमत बढ़ जाती है। ऐसे में विदेशी बाजार में शेयरों की कीमत में सीमित बढ़ोतरी होने पर भी भारतीय निवेशकों को रुपये में अपेक्षाकृत ज्यादा रिटर्न दिखाई दे सकता है।



क्या अब विदेशी फंडों में निवेश बढ़ाना चाहिए ?

अगस्त के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन विशेषज्ञ निवेशकों को जल्दबाजी से बचने की सलाह दे रहे हैं। राजेश मिश्रा के मुताबिक, केवल एक महीने के प्रदर्शन को आधार बनाकर निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय निवेश का सबसे बड़ा फायदा पोर्टफोलियो में भौगोलिक विविधता लाना है। भारतीय बाजार में निवेश करने वाले व्यक्ति के पास अमेरिका, ताइवान या दूसरे देशों की कंपनियों में सीधे निवेश किए बिना अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंडों के माध्यम से हिस्सा लेने का विकल्प होता है। इससे किसी एक देश या बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, विदेशी निवेश में मुद्रा जोखिम, वैश्विक बाजारों की अस्थिरता और अलग-अलग देशों की आर्थिक एवं नीतिगत परिस्थितियों का असर भी रहता है। इसलिए इसे पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के एक हिस्से के रूप में देखना ज्यादा उचित है।

पूरी अंतरराष्ट्रीय श्रेणी ने 36 प्रतिशत रिटर्न नहीं दिया

यह अंतर समझाने निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। शीर्ष फंड के 36.42 प्रतिशत रिटर्न को देखकर ऐसा लग सकता है कि अंतरराष्ट्रीय फंडों की पूरी श्रेणी ने अगस्त में असाधारण प्रदर्शन किया। लेकिन ऐसा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फंडों का औसत एक महीने का प्रदर्शन करीब 3.6 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि कुछ चुनिंदा फंडों के शानदार प्रदर्शन ने पूरी श्रेणी का तस्वीर को काफी ऊपर खींच दिया। गोल्ड माइनिंग, मेटल्स, ऊर्जा, ताइवान और अमेरिकी तकनीकी शेयरों से जुड़े फंडों को खास परिस्थितियों का फायदा मिला। भविष्य में यदि इन क्षेत्रों की तेजी धीमी होती है तो इनके रिटर्न में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यदि किसी निवेशक के पोर्टफोलियो में पहले से अंतरराष्ट्रीय फंड हैं तो केवल अगस्त के प्रदर्शन को देखकर उन्हें बेचने या बढ़ाने की जरूरत नहीं है। पहले यह देखना चाहिए कि कुल निवेश में विदेशी फंडों की हिस्सेदारी कितनी है और क्या यह उसके वित्तीय लक्ष्य

तथा जोखिम क्षमता के अनुरूप है। नए निवेशकों के लिए भी किसी एक महीने के रिटर्न के आधार पर बड़ी रकम लगाना उचित नहीं होगा। यदि पोर्टफोलियो में विदेशी बाजारों को शामिल करना है तो निवेश को चरणबद्ध तरीके से किया जा सकता है। व्यापक स्तर पर विविधीकरण करने वाले फंड और किसी खास देश या क्षेत्र पर केंद्रित फंड के जोखिम में भी अंतर होता है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- एक महीने का रिटर्न अंतिम संकेत नहीं** : 36.42 प्रतिशत का रिटर्न असाधारण है, लेकिन इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।
- देश और थीम देखें** : अमेरिका, ताइवान, गोल्ड माइनिंग, धातु और ऊर्जा से जुड़े फंडों का जोखिम और प्रदर्शन एक जैसा नहीं होता।
- मुद्रा जोखिम समझें** : रुपये में कमजोरी विदेशी निवेश का रिटर्न बढ़ा सकती है, लेकिन रुपये की मजबूती इसका उलटा असर डाल सकती है।
- पोर्टफोलियो में संतुलन रखें** : अंतरराष्ट्रीय निवेश का उद्देश्य केवल ज्यादा रिटर्न हासिल करना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो में भौगोलिक विविधता लाना भी है।
- चरणबद्ध निवेश बेहतर** : विदेशी बाजारों में निवेश बढ़ाना हो तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

सुझाव
बिगनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में हाल में मुनाफावसूली देखने को मिली है, लेकिन लंबी अवधि के निवेशकों के लिए कीमती धातुओं की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोने को लगातार समर्थन मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा गिरावट को लंबी अवधि के तेजी के दौर में सामान्य करेक्शन के तौर पर देखा जा सकता है। उसके आकलन के अनुसार सोने में मौजूदा स्तरों से करीब 12% तक और तेजी की गुंजाइश है। सोना ऐसा निवेश है, जिससे नियमित ब्याज या लामांश नहीं मिलता। इसलिए जब ब्याज दरें ऊंची होती हैं तो निवेशकों के लिए बैंक जमा और बांड जैसे ब्याज देने वाले विकल्प अपेक्षाकृत आकर्षक रहते हैं। इसके उलट ब्याज दरों में कमी आने पर सोने को रखने की अवसर लागत घटती है और इसकी मांग बढ़ सकती है। इसी वजह से दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति भी सोने की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों में कटौती का दौर आगे बढ़ता है तो सोने के लिए सकारात्मक माहौल बन सकता है।

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बनी बड़ा सहारा

सोने की मौजूदा मजबूती के पीछे केवल बाजार का रुझान नहीं है। केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी और विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने की कोशिश भी इसकी मांग को सहारा दे रही है। कई केंद्रीय बैंक अपने रिजर्व में डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के साथ सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इससे सोने की मांग को लंबी अवधि में संरचनात्मक समर्थन मिलता है। यही कारण है कि बीच-बीच में मुनाफावसूली होने के बावजूद सोने का व्यापक तेजी वाला रुझान बना हुआ है।

4,060 डॉलर तक महत्वपूर्ण

एक आकलन के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की करीब 4,060 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर मजबूत समर्थन मिला है। वहीं चांदी ने पिछले चार से छह सप्ताह में करीब 58 डॉलर के स्तर को बनाए रखा है। तकनीकी तौर पर किसी भी तेजी वाले बाजार में लगातार एकतरफा बढ़त संभव नहीं होती। कीमतों में बीच-बीच में गिरावट और कुछ समय तक सीमित दायरे में कारोबार सामान्य प्रक्रिया है। इसलिए हाल की मुनाफावसूली को देखकर लंबी अवधि की पूरी कहानी बदल गई है, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी।

चांदी का रिटर्न ज्यादा, लेकिन जोखिम भी ज्यादा

निवेशकों के लिए चांदी इस समय आकर्षक दिखाई दे सकती है क्योंकि हाल की अवधि में इसने सोने की तुलना में ज्यादा रिटर्न दिया है। लेकिन इसके साथ जोखिम भी अधिक है। चांदी केवल निवेश की धातु नहीं है, बल्कि इसका इस्तेमाल उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए औद्योगिक मांग, आर्थिक गतिविधियों और बाजार की धारणा में बदलाव का असर इसकी कीमत पर तेजी से पड़ सकता है। चांदी में करीब 68 डॉलर और 74 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर प्रतिक्रिय देखने को मिल सकता है। इसलिए इसमें तेजी के साथ तेज करेक्शन की संभावना भी बनी रह सकती है।



गोल्ड ईटीएफ ने एक साल में दिया 43% से ज्यादा रिटर्न 31 जुलाई 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में मजबूत प्रदर्शन किया है। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 43.47%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने 43.53% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 43.24% रिटर्न दिया। तीन साल की अवधि में भी इन योजनाओं का प्रदर्शन मजबूत रहा। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 32.37%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने 32.49% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 32.27% रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ ने किया और बेहतर प्रदर्शन

चांदी से जुड़े निवेश उत्पादों का हालिया प्रदर्शन सोने से भी बेहतर रहा है। 31 जुलाई 2026 तक आईसीआईआईआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ ने एक साल में 95.24% और निप्पोन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 94.55% रिटर्न दिया। तीन साल में इनका रिटर्न क्रमशः 42.09% और 41.71% रहा। लेकिन यहां निवेशकों को रिटर्न के साथ जोखिम को भी देखना चाहिए। चांदी में कीमतों का उतार-चढ़ाव सोने के मुकाबले अधिक होता है। इसलिए केवल पिछले एक साल के शानदार रिटर्न को देखकर इसमें बड़ी रकम लगाना उचित रणनीति नहीं मानी जा सकती।

गोल्ड फंड और सिल्वर फंड में क्या तस्वीर ?

गोल्ड फंड ने भी इस अवधि में अच्छा प्रदर्शन किया है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इन फंडों ने एक साल में करीब 42% तक और तीन साल में 31% से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं सिल्वर फंड की कई योजनाओं का एक साल का रिटर्न 90% से ज्यादा रहा है। इन आंकड़ों से यह जरूर पता चलता है कि पिछले कुछ समय में कीमती धातुओं ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है, लेकिन निवेश का फैसला केवल बांते प्रदर्शन के आधार पर नहीं होना चाहिए।

क्या अभी सोने में निवेश करना चाहिए ?

लंबी अवधि के निवेशक सोने को पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले साधन के रूप में देख सकते हैं। बाजार में जब शेयर या दूसरे जोखिम वाले निवेश दबाव में आते हैं, तब सोने कई बार पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। हालांकि, जिस निवेशक ने सोने में पहले ही बड़ी तेजी के दौरान निवेश किया है, उसे नई खरीदारी करते समय एकमुश्त रकम लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश पर विचार करना चाहिए।

चांदी में सावधानी ज्यादा जरूरी

चांदी में संभावित रिटर्न अधिक हो सकता है, लेकिन जोखिम भी उन्ही अनुपात में बढ़ जाता है। इसलिए इसे सोने का सीधा विकल्प मानना उचित नहीं होगा। जोखिम लेने की क्षमता अधिक रखने वाले और उतार-चढ़ाव सहन कर सकने वाले निवेशक ही अपने कुल निवेश में इसकी सीमित हिस्सेदारी पर विचार कर सकते हैं।

निवेशकों के लिए सीधी बात सोने और चांदी में तेजी की कहानी अभी कायम दिख रही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कीमतें लगातार बढ़ती रहेंगी। ब्याज दरों का रुख, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक परिस्थितियां आगे भी इनकी कीमतों को प्रभावित करेंगी। निवेशकों के लिए सबसे अहम बात यह है कि शानदार पुराने रिटर्न के पीछे मानने के बजाय अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार एसेट अलोकेशन तय करें। सोने को पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के साधन के रूप में देखना अधिक संतुलित रणनीति हो सकती है। चांदी में संभावित तेजी आकर्षक है, लेकिन उसके साथ आने वाले तेज उतार-चढ़ाव के लिए भी तैयार रहना होगा।

ख़बर संक्षेप

किसान व मजदूरों की

मांगों पर होगी जनसभा

झज्जर। किसानों और भूमिहिन ग्रामीणों की ज्वलंत समस्याओं एवं विभिन्न जन मुद्दों को लेकर ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की ओर से रविवार को मातनहेल गांव में जनसभा का आयोजन किया जाएगा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि कोसली रोड स्थित कम्युनिटी हॉल में होने वाली इस जनसभा में सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की कानूनी गारंटी देने, किसान-मजदूरों को कर्ममुक्त करने, बुढ़ापा पेंशन बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने, 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने, स्मार्टमीटर लगाने की योजना वापस लेने और बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में देने पर रोक लगाने की मांगों पर चर्चा होगी।

सिद्दीपुर के सरकारी स्कूल में कराया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। शनिवार को गांव सिद्दीपुर लोवा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में योगाचार्य जगदीश सहवाग द्वारा निःशुल्क योग एवं प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य संजीव अरोड़ा ने की। शिविर में परमानंद, मंजू, अंजु, संतोष, बबीता, बबली, बबली गुलिया, नीतू व मनोज के साथ विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षक की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में बताया।

कई भंडारों में विधायक ने की शिरकत

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने शनिवार को विभिन्न गांवों में हुए भंडारों में शिरकत की। विधायक राजेश जून ने कानोंदा स्थित जाहरवीर गोगा जी चैरिटेबल ट्रस्ट को 11 हजार रुपये, बामडोली की दादा थान जन सेवा समिति को 11 हजार रुपये तथा जाहरवीर गोगा जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित भंडारे के लिए 5100 रुपये का सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि भंडारे से समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ता है।

दुल्हेड़ा समेत कई गांवों में किया जनसंपर्क

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ता जयकरण मांडोटी व रामकिशन ने दुल्हेड़ा समेत कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए 26 अक्टूबर को बोहर के नांदल भवन में होने वाली महापंचायत में शामिल होने का न्यौता दिया। उन्होंने बताया कि महापंचायत में भारत-अमेरिका कृषि व्यापार समझौते से दूर हटने, एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी का कानून बनाने, किसानों और मजदूरों को कर्ज मुक्त करने, बुजुर्गों को 10 हजार रुपये महीना पेंशन देने, फैमिली आईडी से छुटकारा दिलाने, न्यूनतम वेतन देने, किसान विरोधी बिजली बिल और बीज बिल वापस लेने, रिक्त सरकारी पदों पर नियमित भर्ती करने, सिंचाई की व्यवस्था सुदृढ़ करने पर चर्चा की।

हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़े

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि एसआईआर अभियान के तहत जिले के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करवाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने पात्र नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें।

शिक्षकों को दी मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में शनिवार को प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर सुरेंद्र कुमार पुनिया के मार्गदर्शन में शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित क्षमता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मास्टर ट्रेनर मनोविज्ञान प्रदीप यादव मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा करते हुए जीवन में कार्य संतुलन को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता की कुंजी बताया और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के सरल और प्रभावी तरीके बताए। उन्होंने मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार, तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच, संज्ञानात्मक पुनर्संरचना, मुखरता एवं दृढ़ता प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया।

एसटीपी टप होने से कई कॉलोनियों में चरमराई सीवरेज व्यवस्था



बहादुरगढ़। बाग वाला मोहल्ला में भरे सीवर के पानी से गुजरते लोग।

- बाग वाला मोहल्ला समेत कई कॉलोनियों की गलियों में गंदा पानी भरने से लोगों में रोष

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

शहर के नजफगढ़ रोड स्थित 35 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के ठप होने से शहर

की अनेक कॉलोनियों में सीवरेज व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। बाग वाला मोहल्ला, शास्त्री नगर समेत आसपास की कई कॉलोनियों में सीवर का गंदा पानी गलियों में जमा होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का किया ऐलान

एक महीने से जारी सफाई कर्मियों की

हड़ताल, अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

मांगों को लेकर चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को पूरा 1 महीना हो गया है। शनिवार को कर्मचारियों ने अर्धनग्न अवस्था में झाड़ू थामकर शहर में प्रदर्शन की। जुलूस निकालकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें उठाईं। वहीं नगर परिषद की ओर से जारी नोटिस के बावजूद पे रोल कर्मचारी इयूटी पर नहीं लौटे और विरोध जारी रखा। दरअसल, गत 6 अगस्त को कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू की थी। कच्चे कर्मियों को पक्का करने, ठेका प्रथा बंद करने सहित 13 मई को हुए समझौते को लागू करने की मांग कर्मचारी उठा रहे हैं। हड़ताल को पूरा 1 महीना हो गया है। इस दौरान प्रशासन के साथ कर्मचारियों की तनारीत तक हो चुकी है, एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है और यहां तक कि पे रोल कर्मियों के नोटिस भी निकाले जा चुके हैं। बावजूद इसके कर्मचारी अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। हड़ताल के 31वें दिन शनिवार को कर्मचारियों ने शहर में प्रदर्शन किया। शुक्रवार को मुंडन कराने वाले कर्मचारी प्रदर्शन में अर्धनग्नावस्था में शामिल हुए। हाथों में झाड़ू उठाकर कर्मचारियों ने जोरशोर से अपनी मांग उठाईं। कर्मचरियों ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, संघर्ष जारी रहेगा। बहरहाल, सरकार और कर्मचारियों के बीच चल रहा गतिरोध समाप्त नहीं हो रहा। इसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। लगातार हो रही बरसात के बीच जगह जगह लगे गंदगी के ढेर से असहनीय दुर्गंध उठ रही है। बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। आम नागरिकों ने सरकार और कर्मचारियों से बातचीत कर मुद्दे का हल निकालने की गुहार लगाई है ताकि गंभीर होते हालातों से बचा जा सके।



बहादुरगढ़। शहर में प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी।

महासभा ने दिया सफाई कर्मचारियों को समर्थन

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

दलित महासभा हरियाणा के पदाधिकारियों ने 1 महीने से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को समर्थन दिया है। प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह लुखड़ सहित कई नेता धरना स्थल पर कर्मचारियों के बीच पहुंचे। बिजेंद्र लुखड़ ने कहा कि लंबे समय से हड़ताल के बावजूद हरियाणा सरकार सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाई है। आंदोलन के दौरान कर्मचारियों को पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। कोरोना काल में सफाई कर्मचारियों और पुलिस कर्मियों ने मिलकर जिम्मेदारी

निभाई थी, लेकिन आज उन्हीं कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। कम वेतन और समय पर भुगतान नहीं होने से उनके परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सफाई कर्मचारियों को जल्द पक्का करने की मांग की।

इस अवसर पर कृष्णा प्रधान वाल्मीकि धर्म समाज हरियाणा, विनोद कुमार प्रधान वाल्मीकि वीर सी सेना, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान प्रदीप गोष्ठी, नरेंद्र वाल्मीकि, प्रधान नरेश वाल्मीकि, केवल, वीरेंद्र सिंह टॉक, अनिल कुमार नयागांव, जोगेंद्र प्रधान और आशीष कुमार मौजूद रहे।

हड़ताली सफाई कर्मियों के बीच पहुंची विधायक भुक्कल



झज्जर। घरने पर सफाई कर्मचारियों के बीच बैठी विधायक गीता भुक्कल।

झज्जर। पिछले एक माह से हड़ताल पर चल रहे नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों का शनिवार को विधायक गीता भुक्कल ने समर्थन किया। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार आने पर सभी सफाई कर्मचारी पहली कलम से पक्के किए जाएंगे। वहीं यूनियन के इकाई प्रधान शिवम चावरिया ने कहा कि उनकी प्रमुख मांगों में बीती 13 मई को संघ व सरकार के बीच हुए समझौते को लागू करना, फरीदाबाद अग्निकांड में काल का बास बने कर्मचारियों के परिवार को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा व सरकारी नौकरी, पेट्रोल के सफाई कर्मचारी व सीवरमैनो को पक्का करना, वर्ष 2014 में जिले में हटाए हुए 60 कर्मचारियों को इयूटी पर वापस लेने, इयूटी के दौरान मृत्यु होने पर सफाई कर्मचारियों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, ठेका प्रथा बंद करना, सेवानिवृत्त पर कर्मचारियों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद, सभी पेट्रोल फायरमैन व चालकों को नियमित करना, जोखिम भरा पांच हजार रुपये करना, एचकेआरएनएल व विभिन्न ठेकों में लगे तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को नीति बनाकर पक्का करवाना तथा पक्का करने तक तीस हजार रुपये वेतन, एचकेआरएनएल सफाई कर्मचारियों को पेट्रोल पर लिए जाने की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार जल्द उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

15 अक्टूबर तक हर जिले में होगी नेटबॉल चैंपियनशिप

- राज्य स्तरीय चयन प्रक्रिया होगी पारदर्शी और समयबद्ध

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

हरियाणा में नेटबॉल खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों की पारदर्शी एवं समयबद्ध चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने की दिशा में हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एसोसिएशन ने खेल कैलेंडर सत्र 2026-27 के अंतर्गत राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए जिला स्तरीय चैंपियनशिप आयोजित करना अनिवार्य कर दिया है। हरियाणा

नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता दहिया ने सभी संबद्ध जिला इकाइयों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि प्रत्येक जिले में नेटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन अनिवार्य रूप से 15 अक्टूबर 2026 तक पूरा करवाया जाए। उन्होंने कहा कि इससे प्रतिभावान खिलाड़ियों को जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा और राज्य स्तर के लिए चयन प्रक्रिया भी व्यवस्थित तरीके से पूरी की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि जिला चैंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए संबंधित ट्रायल अथवा कोचिंग कैंप में न्यूनतम 20 दिन उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।



हरिभूमि न्यूज़. बहादुरगढ़

डीघल के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ मैदान पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबलों में

बहादुरगढ़। विजेता बास्केटबॉल टीम के साथ आयोजक।

झामरी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर प्रतियोगिता का खिताब जीता। छारा-बी टीम दूसरे स्थान पर रही, जबकि छारा-ए की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में छारा की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। डीघल की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया,

जबकि झामरी की टीम तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। आयोजकों ने छारा-ए एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और भविष्य में भी खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिले की टीम में गुंजन का चयन

बहादुरगढ़। पानीपत में स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप का आगाज हो रहा है। चैंपियनशिप में जिले की टीम अपने मुकाबले खेलने के लिए तैयार है। टीम में गांव खेड़का गुर्जर की बेटी गुंजन पत्री मनोज भी शामिल है। जिले की टीम में गुंजन के

चयन पर परिजनों, कोच मनीषा व ग्रामीणों ने खुशी जताई है। प्रधान सुनील सहित अन्य मौजिज ग्रामीणों ने गुंजन को बधाई दी तथा चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया। कोच मनीषा ने कहा कि अंडर 14 में गुंजन का चयन हुआ है। गुंजन बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। स्टेट चैंपियनशिप में गुंजन से उम्दा प्रदर्शन की उम्मीद है।



NOTICE
I, Tarun W/o Sh. Neeraj R/o 8-Bisadowa, Jatwara Mohalla, Bahadurgarh, Hjaajar-124507 (HR) declare that my Aadhar no. is 326504641297. My old name is Tannu and My new name is Tarun. Both names are pertain to same person i.e. me. I have changed my name from Tannu to Tarun and shall be known by the name Tarun in future.

ब अदालत जनाब ए. सी. प्रधान श्रेणी, झज्जर
केस नं०- 229/Tch दायर- 19-09-2025
श्रीमती इन्द्रावती पत्नी नरेश गुजर वतन सिंह निवासी गांव कुलनावा या विश्वेश्वर मौजा पाटीदा तह० व जिला झज्जर फरीक अवयल / प्राचीया बयाम

1. प्रदीप 2. सदीप गुजर वारचन्द गुजर चन्द्र 3. नरेश 4. कमल सिंह गुजर नवल सिंह गुजर चंद सिंह 5. श्रीमती राखवालि किरपा जयपाल गुजर लक्ष्मीनारायण 6. मनिका 7. ज्योती 8. कमन 9. पुनम 10. आशा पुरीयान जयपाल गुजर लक्ष्मीनारायण 11. अंजलि गुजर जयपाल गुजर लक्ष्मीनारायण 12. राकेश गुजर राखवा गुजर लक्ष्मीनारायण 13. रमनियान गुजर रामतार गुजर मोहर सिंह राखी निवासिन गांव पाटीदा तह० व जिला झज्जर 14. श्रीमती सुमन पत्नी नरेश कुमार गुजर रामकेश निवास डडिवा जिला रिबडी 15. रामानन्द गुजर रामेश गुजर बहावर निवासी गांव सिन्दनदपुर जिला मुक्तम व विश्वेश्वर मौजा पाटीदा तह० व जिला झज्जर फरीक दोषम

प्राचीया फरीक अवयल ने उपरोक्त मुक्तम राखमो की दरखास्त इस न्यायालय में दखल किया हुआ है। जिसमे अराजी नई खेद नं० 869/759 खतीनं नं० 1015 मु० नं० 23 किल्ला नं० 2/2(1-2), 8(7-8), 9(9-18), 13/1(3-2), 14/1(1-19), 26(1-0), कितें 6 रकबा तासदी 24 कनजर 9 मरले वाका रकबा बीजा पाटीदा तह० व जिला झज्जर में स्थित है। जिसकी आगामी मीरत केसरी खिताब जीतकर अखाड़े का नाम रोशन कर चुकी है। बुल्लड़ पहलवान ने कहा कि खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए समाज और खेल संस्थाओं को निरंतर प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर सोमबीर दलाल, राजेंद्र, गुरादीलाल, संदीप रूहिल, आरव रूहिल, जतिन प्रधान, अशोक गिरी, साहित्य, कुकन, अमरदीप, सागर, लीला व सते आदि मौजूद रहे।

अंजलि की प्रतिभा को मिले सरकारी सहयोग

बुल्लड़ पहलवान ने कहा कि अंजलि चौहान ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। अंजली की खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा के खेल विभाग व सरकार को मदद करनी चाहिए। एसडीएम कार्यालय में कार्यरत अंजली को प्रैक्टिस करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। अंजली कई अंतरराष्ट्रीय पदक तथा महिला भारत केसरी खिताब जीतकर अखाड़े का नाम रोशन कर चुकी है। बुल्लड़ पहलवान ने कहा कि खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए समाज और खेल संस्थाओं को निरंतर प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर सोमबीर दलाल, राजेंद्र, गुरादीलाल, संदीप रूहिल, आरव रूहिल, जतिन प्रधान, अशोक गिरी, साहित्य, कुकन, अमरदीप, सागर, लीला व सते आदि मौजूद रहे।



बहादुरगढ़। अंजलि चौहान को सम्मानित करते बुल्लड़ पहलवान व अन्य।

एशियाई कुराश चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता का बुल्लड़ पहलवान ने किया स्वागत

सर छोटूराम अखाड़े में हुआ अंजलि चौहान का सम्मान

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

तजाकिस्तान की राजधानी दुशांबे में हुई 15वीं एशियाई सीनियर कुराश चैंपियनशिप में भारत का गौरव बढ़ाने वाली अंजलि चौहान का शनिवार को सर छोटूराम अखाड़े में जोरदार अभिनंदन किया गया। अंजलि ने इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में महिलाओं के 87 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए कांस्य पदक हासिल किया था। आगामी वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए हिमाचल प्रदेश के ऊना में 7 व 8 सितम्बर को ट्रायल होने हैं। ट्रायल से पहले अंजलि सर छोटूराम अखाड़े पहुंचीं, जहां अखाड़ा संचालक बुल्लड़ पहलवान सहित अन्य खेल प्रेमियों ने उनका स्वागत व सम्मान किया। बुल्लड़ पहलवान ने 11 हजार रुपए भेंट कर खिलाड़ी अंजली का सम्मान किया। इससे पहले भी पदक जीतने पर सर छोटूराम अखाड़े में अंजली का सम्मान किया गया था।



डीएवी स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

बहादुरगढ़। डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंच संचालन शालू शर्मा ने किया। कार्यक्रम में विजय सेलानी, प्रेम, संध्या, दिव्या, दीक्षा भारद्वाज, दीक्षा, अंजली, मोनिका, इशरत और प्रियंका आदि ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया गया। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की गौरवशाली विरासत और समाज निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। प्राचार्या डॉ. इंदु शर्मा ने कहा कि अध्यापकों के निरंतर प्रयास से विद्यालय निरंतर प्रगतिशील है। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया।



राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं शिक्षक

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालयमें शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा के अनुसार उन्होंने शिक्षा, दर्शन और राजनीति के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। उनका पूरा जीवन ज्ञान की खोज और समाज सुधार के लिए समर्पित रहा। शिक्षण की चार पीढ़ियों के प्रतीकात्मक रूप में केक काटकर शिक्षक दिवस मनाया गया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा की स्टूडेंट दिव्या तिलक व डॉ. अनु शर्मा, उनकी स्टूडेंट रवीना तनेजा तथा वर्तमान बैच की स्टूडेंट उपस्थित रही। उन्होंने दोहराया कि शिक्षक विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने, सही निर्णय लेने और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित करते हैं। वॉक ओवर द ग्लास गेम के अलावा नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।



त्रिवेणी में अध्यापिकाओं का किया सम्मान

बहादुरगढ़। शहर के त्रिवेणी मेमोरियल स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। समारोह के दौरान विद्यालय की तीन अध्यापिकाओं सुनेना मलिक, राखी शर्मा और कशिश को उनके उत्कृष्ट शिक्षण कार्य, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर योगदान के लिए बेस्ट टीचर अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल सुमित्रा महला तथा स्कूल निदेशक संगीता वर्मा ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस के महत्त्व से अवगत करवाया। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच का संबंध समाज के बेहतर निर्माण की नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों का सदैव सम्मान करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न गतिविधियों और प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।



पेट पलनिया यात्रा पर निकले हरिओम

बहादुरगढ़। श्याम भक्त हरिओम मुदगिल शनिवार को श्रद्धालुओं के साथ राजस्थान स्थित खाटूश्याम धाम के लिए पेट पलनिया यात्रा पर रवाना हुए। इससे पहले उन्होंने लाइनपार स्थित खाटू श्याम मंदिर में पूजा-अर्चना कर बाबा श्याम का आशीर्वाद लिया। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर भाजपा के विधानसभा क्षेत्र संयोजक दिनेश कौशिक ने भी हरिओम मुदगिल के साथ पूजा-अर्चना की और उनका सम्मान किया। हरिओम अपनी पेट पलनिया यात्रा करीब 80 से 90 दिनों में पूरी करेंगे। खाटूश्याम धाम के लिए यह उनकी तीसरी यात्रा है। दिनेश कौशिक ने कहा कि बाबा श्याम को हरे का सहारा माना जाता है। उनके प्रति श्रद्धालुओं की आस्था लगातार बढ़ रही है। इस अवसर पर पार्षद रजनीश मोनु, पालेसम शर्मा, बिल्लू प्रधान, संदीप मुदगिल, सुमित अत्री, मंजीत पाराशर, रवि कौशिक, कृष्ण आसौदा आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, गणपति टैवल्स के ऊपर, नजदीक टेवरी स्टैंड, बहादुरगढ़

झज्जर :- पुराना बाई खाना रोड, शिव चौक, झज्जर

फोन :- 8295154800, 8295738500, 86149939142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईंज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्तर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra

नोट :- विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त टाईज पर मान्य। अन्य किसी साईंज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर :- हरिभूमि कार्यालय, पुराना बाई खाना रोड, शिव चौक, फोन :- 8295876400

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति टैवल्स के ऊपर, 8295852900

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में मनाया शिक्षक दिवस

अध्यापिकाओं को किया बेस्ट टीचर अवॉर्ड से सम्मानित

कार्यक्रम में अध्यापकों ने भी कविता पाठ, गीत-संगीत, चुटकुले और मनोरंजक खेलों में भाग लेकर विद्यार्थियों का साथ दिया

झज्जर। कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित शिक्षिकाएं।

फोटो: हरिभूमि

आकर्षक ढंग से सजाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों ने गुरु वंदना से की।

इसके बाद विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए

भावपूर्ण पत्र प्रस्तुत किए तथा रोल प्ले के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा का सुंदर चित्रण किया। कार्यक्रम में अध्यापकों ने भी कविता पाठ, गीत-संगीत, चुटकुले और मनोरंजक

खेलों में भाग लेकर विद्यार्थियों का साथ दिया। विद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कक्षा वर्गों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली अध्यापिकाओं को बेस्ट टीचर सम्मान से नवाजा गया और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉ. महिपाल ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव और राष्ट्र निर्माण के प्रमुख आधार हैं। अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा देकर उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण और निष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें इसी भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षक दिवस पर पेस ने शुरू किया आधार इंटरनेशनल स्कूल

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए डायरेक्टर जय विकास।

झज्जर। शिक्षक दिवस के अवसर पर पेस ग्रुप द्वारा प्रोजेक्टर होरीजन अवेडस के अंतर्गत आधार इंटरनेशनल स्कूल का शुभारंभ किया गया है। कार्यक्रम में पेस ग्रुप के चेयरमैन युद्धवीर, डायरेक्टर जय विकास, मेनेजिंग डायरेक्टर हरीश, संदीप, डॉक्टर मोहित नांदल व आधार इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर कर्माबीर धनखंड ने मुख्य रूप से शिरकत की। डायरेक्टर जय विकास ने बताया कि पेस संस्थान की शुरुआत तीन वर्ष पहले शहर के बीकानेर चौक से हुई थी। उसके बाद 3 जुलाई 2024 को डीसी स्कूल कैम्पस व एक जुलाई को बड़ कोचिंग बिल्डिंग की शुरुआत की गई। अब आधार इंटरनेशनल स्कूल के रूप में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। स्कूल में विद्यार्थियों को नियमित शिक्षा के साथ आईआईटी, नीट, एनडीए, सीए, सीएस, क्लैट व ओलंपियाड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग स्पॉट उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य स्कूल और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है।

शिक्षक का अनुशासन और संस्कार विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य की नींव: गुलिया

हरिभूमि न्यूज झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास से मनाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने गुरु की महिमा से संबंधित अनेक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए। सर्वप्रथम एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित एचडी ग्रुप निदेशक रमेश गुलिया एवं अन्य।

विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की

प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और गुरु वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ

किया गया। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, कविता, भाषा एवम लघु नाटिका के माध्यम से गुरु-शिष्य संबंधों की महत्ता को प्रतिपादित किया। एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि शिक्षक दिवस हमें गुरु-शिष्य की परंपरा के महत्व को दर्शाता है।

एक शिक्षक केवल पढ़ाने वाला नहीं होता बल्कि वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माता होता है।

सैनिक पब्लिक स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

बहादुरगढ़। शिक्षक बने विद्यार्थियों के साथ प्रिंसिपल बीएल भारद्वाज। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। सैनिक पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने शिक्षकों की भूमिका निभाई। विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गायन एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। उन्होंने शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं समर्पण के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। विद्यार्थियों ने शिक्षक बनकर कक्षाओं में जाकर अध्यापन कार्य किया और शिक्षकों को जिम्मेदारियों को करीब से समझने का प्रयास किया। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ शिक्षक की भूमिका निभाई। प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई दी। शिक्षक की भूमिका निभाने वाले तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यार्थियों ने भी अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया।

छात्राओं ने शिक्षकों के प्रति जताया सम्मान

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ कॉलेज की छात्राएं।

फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को प्राचार्या अलका गुलाटी की अध्यक्षता में शिक्षक दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने शिक्षकों के प्रति सम्मान व कृतज्ञता व्यक्त करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। छात्राओं ने कविता पाठ, भाषण तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। प्राचार्या अलका गुलाटी ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक ज्ञान देकर छात्राओं के जीवन को सही दिशा देता है और चरित्र-निर्माण करता है। उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा की ओर से एआईएसएई का डेटा समय पर प्रस्तुत करने के लिए जारी किया गया फ़ास्ट-पत्र देकर वाणिज्य विभाग की डॉ. शीतल को सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान देने वाले अन्य कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

सेंचुरी स्कूल में गुरुओं को किया नमन

बहादुरगढ़। शहर के एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। कक्षा 12वीं के कैबिनेट सदस्यों द्वारा प्रस्तुत विशेष प्रार्थना समा की गई। प्रभावशाली भाषण, समुहगायन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से व्यक्त किया। स्कूल निदेशक संजीव राठी ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य की आधारशिला रखने वाले राष्ट्र-निर्माता होते हैं। प्रधानाचार्य वीएन झा ने विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। शिक्षक और विद्यार्थी के मध्य विश्वास, सम्मान एवं आत्मीयता का संबंध ही शिक्षा को वास्तविक अर्थों में सार्थक और जीवनोपयोगी बनाता है।

माउंट व्यू स्कूल में मनाया टीचर्स-डे

बहादुरगढ़। शहर के माउंट व्यू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षक दिवस उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। विद्यार्थी शिक्षक बनकर विद्यालय में आए और शिक्षकों की तरह कक्षाओं का संचालन किया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत होते हैं। स्कूल निदेशक देवेंद्र लाठर ने सभी को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा देकर सफल एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

वरिष्ठ छात्राओं ने निभाई टीचर की भूमिका

बहादुरगढ़। पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम हुआ। छात्राओं ने विभिन्न रूप धारण कर विभिन्न शिक्षक बन कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीप प्रज्ज्वलन के बाद छात्राओं ने सरस्वती वंदना की और स्वागत गीत गाया। प्रधानाचार्या प्रवीन दहिया की अध्यक्षता में हुए मेधावी सम्मान कार्यक्रम में बहादुरगढ़ के बीईओ शेर सिंह व साल्हावास के बीईओ जयापाल दहिया व ओमप्रकाश आदि ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। प्रधानाचार्य रमेश, मुकुंश व दिलबाग ने बच्चों को अपने कार्य अनुभवों से प्रेरणाहित किया। प्रिंसिपल प्रवीन दहिया ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से छात्राओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

मदर इंडिया स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

बहादुरगढ़। अशोक नगर स्थित मदर इंडिया पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल निदेशक अमित राठी व अनु राठी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों को कार्ड आदि भेंट कर सम्मानित किया। स्कूल प्रबंधन ने केक काटकर शिक्षकों के साथ खुशियां साझा कीं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में गुरु के महत्त्व और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी। साथ ही बच्चों को जीवन में अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करने की शपथ दिलाई।

छात्राओं ने निभाई शिक्षिकाओं की भूमिका

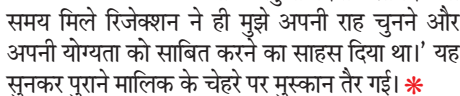
झज्जर। आरएस मर्डन स्कूल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद् डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण करके की गई। बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया और शिक्षकों की भूमिका निभाई। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के समर्पण, परिश्रम और मार्गदर्शन को नमन किया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं कविताओं की प्रस्तुति दी गई।

शिक्षक दिवस पर किया शिक्षकों को सम्मानित

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अध्यापक दिवस कार्यक्रम की शुरुआत संस्था संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया देश के प्रथम राष्ट्रपति व दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन व मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष धूप-दीप प्रज्ज्वलित करके की। इस दौरान विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसके बाद सभी छात्रों को अध्यापकों की जगह नियुक्तियां देकर उन्हें अध्यापक बनने का गौरव प्रदान किया गया। प्राचार्या निधि कादियान ने इस सत्र के बेहतरीन कार्य करने के लिए अध्यापकों को प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

जसौरखेड़ी कॉलेज में किया पौधरोपण

बहादुरगढ़। जसौरखेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को पौधरोपण किया गया। कॉलेज परिसर में लगाए बरगद के पौधों को गोद लेकर छात्राओं ने उनके संरक्षण एवं देखभाल का उत्कल्प लिया। छात्राओं ने कहा कि जिस प्रकार वृक्ष अपनी छाया एवं संरक्षण से समाज का पोषण करता है। प्राचार्य डॉ. संदीप किराड़ ने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डॉ. सुनील, डॉ. सुनेना, डॉ. सुनील कुमार व अनिल आदि उपस्थित रहे।



सैर-सपाटा
समीर चौधरी

विदा होते मानसून के इस मौसम में अगर उमस से राहत और ठंडी हवाओं का साथ चाहिए, तो पहाड़ों का रुख कीजिए। धुंध, हरियाली, झरनों और बादलों से सजे माउंटआबू, चिकमंगलूर, नैनीताल और ऊटी बारिश में मीगकर और भी निखर उठते हैं। यहां का सुहाना मौसम, शांत हरी-भरी वादियां और प्रकृति के अद्भुत नजारे आपकी यात्रा को यादगार बना देंगे।

जन्मत से कम नहीं लगते ये खूबसूरत हिल स्टेशन



खूबसूरत झील वाला नैनीताल

उत्तराखंड का नैनीताल हालांकि मई-जून की तुलना में अगस्त-सितंबर के महीने में शांत हो जाता है फिर भी इस दौरान यहां घूमना बेहद रोमांचक अनुभव देता है। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरी सुंदर झील, शांत पुराने कॉटेज, बाजार, वॉकिंग ट्रैक्स का जाल, बोटिंग, प्राचीन मंदिरों व हेरिटेज बिल्डिंग्स, इस झील नगर में देखने व एंजॉय करने को बहुत कुछ है।

इसके अलावा अगर ट्रैकिंग का मन है और उगते हुए सूरज को देखना है तो टिफिन टॉप पर जा सकते हैं। पहाड़ों के पीछे से धीरे-धीरे उगते सूरज को देखने का अनुभव आप कभी नहीं भूल पाएंगे। नैनीताल आकर अगर आपने टिफिन टॉप से उगते हुए सूरज का नजारा नहीं किया, तो मानना होगा कि प्रकृति के सबसे सुंदर स्थलों में से एक के आपने दर्शन ही नहीं किए। इसे देखते हुए मन करता है कि काश समय ठहर जाए और इस नजारे को देखते ही रहें। *

फैशन ट्रेंड
प्रतिभा अरोड़ा

कभी फैशन का मतलब हुआ करता था, जो चल रहा है वही पहनना। फिर एक ऐसा दौर आया, जब सेलिब्रिटी ने जो कुछ पहना, बाजार में उसी की नकल चल निकली। जब सोशल मीडिया प्रभावी हुआ, तो इंफ्लुएंसर ने जिस नए ट्रेंड का जिक्र और तारीफ किया, अगले दिन कॉलेज कैम्पस में वही स्टाइल खूब दिखने लगा। लेकिन अब युवा इस तरह की भेड़चाल में नहीं पड़ते। आज का युवा सिर्फ यह नहीं चाहता कि वह ट्रेंड में दिखे, वह दूसरों से अलग भी दिखना चाहता। अब युवा आंख मूंदकर इन विकल्पों के पीछे नहीं दौड़ता बल्कि अपनी स्टाइल आईडेंटिटी चुनता है।

एक स्टाइल को नहीं करते फॉलो: आज के युवा किसी एक स्टाइल को अपनाने की बजाय सप्ताह के अलग-अलग दिनों में अलग-अलग स्टाइल में दिखना पसंद करते हैं। सरल भाषा में कहें तो आज के युवाओं के लिए स्टाइल का यह फैशन स्टाइल ट्राइब है, जिसमें फैशन पसंद, एस्थेटिक और विजुअल आईडेंटिटी को एक साथ देखा जाता है। मसलन, जेंटल वुमेन एस्थेटिक्स में टेलर्ड ट्राउजर, स्ट्रक्चर्ड ब्लेजर, क्रिस्प शर्ट, लोफर्स और पॉलिशड एसेसरीज शामिल हैं। यहां जेंटल वुमेन फैशन की एक स्टाइल है, जो सोफेस्टीकेटेड है और थोड़ी सी मेल लाइक भी है। इसे सलीकेदार, स्मार्ट और क्लासिकल महिला स्टाइल भी कहा जाता है और यह मूलतः पुरुषों के पारंपरिक फॉर्मल टेलरिंग को महिलाओं की शैली और फिट के साथ मिलाने वाला लुक है।

सिने ट्रेंड / मनोज प्रकाश

बॉलीवुड की फिल्मों में शायद ही कोई ऐसा पर्व या उत्सव होगा, जिसका जिक्र न हुआ हो। सावन-भादो के महीने की बारिश, उसकी हरियाली, उसमें उमड़ते प्रेम और झूलों को भी कई फिल्मों में अलग-अलग तरह से पेश किया जाता रहा है। झूले सदियों से हमारे जीवन का जिस तरह से अंग रहे हैं, ठीक उसी तरह से यह एक समय बॉलीवुड की फिल्मों में छाए रहते थे। हालांकि अब झूले फिल्मों से गायब हो चुके हैं।

दिखता था अलग ही समां: झूले सिर्फ नायिकाओं के उल्लास को प्रकट नहीं करते थे बल्कि वे अपने सुख-दुःख में इस पर बैठकर गुनगुनाती हुई ऐसे मन की बात बयान करती थीं कि हर युवक-युवती समझते थे कि वह उनकी ही बात कर रहे हैं। ठंडी हवा, दूर आसमान में उमड़-धुमड़ते बादल, कोयल और दूसरे पक्षियों की मधुर आवाजों के बीच झूले पर झूलती नायिका के मुख से निकलती सुरों की बरखा ने लाखों-करोड़ों दिलों को कभी रुलाया तो कभी झूमने पर बाध्य किया। पर आज ये हिंडोले बॉलीवुड फिल्मों से कहीं गायब हो से गए लगते हैं। अब सावन-भादों के महीने में सचियों के संग हवा में उड़ती-सी प्रतीत होती नायिका की अठखेलियां देखने के लिए पुरानी फिल्मों ही याद आती हैं।

वियोग-रहस्य को दर्शाते गीत: मानसून का मौसम हो, हल्की-हल्की फुहारें पड़ रही हों और नवविवाहिता अपने पीछर आइ हो तो उसकी सहेलियां जब उसके साथ किसी बाग या खेत में पड़े झूले पर झूलती हुई उससे चुहल करतीं, तो वह बरबस गा उठती थी, 'सावन के झूले पड़े, तुम चले आओ...' राखी और अमिताभ पर यह गीत सन 1979 में आई फिल्म 'जुर्माना' में फिल्माया गया था। इस गीत ने विरह को एक मधुर मिलन की आस का रंग दिया, तो सन 1949 में आई 'महल' का रहस्यमय गीत 'आएगा आने वाला आएगा...' को दर्शक आज भी नहीं भूल पाते। इस गीत में

काँफी की खुशबू से महकता चिकमंगलूर

कर्नाटक के चिकमंगलूर में जब मानसून की बारिश काँफी एस्टेट्स और पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों को हरियाली, कोहरे से ढंक देती है और हेब्बे, झारी व कल्लाथिगिरी जैसे झरने जीवंत हो उठते हैं, तो कुदरत में मानो एक अलग ही ऊर्जा का प्रवाह हो उठता है। किसी वर्किंग काँफी एस्टेट पर ठहरना, सुबह उठते ही ताजी बू की गई मलनाड काँफी पीना, बाबा बुदनगिरी पहाड़ियों में ड्राइव करते हुए दिन गुजारना, हिरिकोलाले झील पर रुकना या झरनों को विजित करना सबका अपना मजा आता है। बारिश के बीच में स्थानीय व्यंजनों जैसे अक्की रोटी, कदुबू व बांस के शोरेबे (तरी) का आनंद लेना, आपको यात्रा का एक बेहद सुकूनदायक-आनंददायक अनुभव कराएंगे। हालांकि यहां मानसून ट्रैकिंग रूट्स का फिसलन भरा व घुमावदार घाट सड़कों पर रोशनी कम कर देता है, लेकिन इससे घूमने का मजा कम नहीं होता है। यहां दिन का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से 22 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है और रातें अच्छी खासी ठंडी हो जाती हैं। *



आज का युवा फैशन को सिर्फ ट्रेंड नहीं, स्टाइल स्टेटमेंट मानता है। वह किसी एक स्टाइल की नकल करने के बजाय विंटेज, स्ट्रीटवियर, मिनिमलिज्म और देसी प्यूजन को मिलाकर अपनी अलग आइडेंटिटी फैशन स्टाइल गढ़ रहा है।

अब यंगस्टर्स चाहते हैं फैशन में आइडेंटिटी लुक

सोशल मीडिया का भी बड़ा रोल: पहले फैशन ट्रेंड पत्रिकाओं और सेलिब्रिटीज के पहनावों के जरिए समाज तक पहुंचा करता था। लेकिन अब यह सोशल मीडिया के जरिए पहुंच रहा है। सोशल मीडिया के चलते कई बार इसका क्रम उलट भी जाता है यानी जरूरी नहीं है कि सेलिब्रिटी का फैशन सोशल मीडिया में ट्रेंड करे। ऐसा भी हो सकता है कि आम लोगों का फैशन सोशल मीडिया में ट्रेंड करे और उसे सेलिब्रिटी अपनाएं। यही कारण है कि आज फैशन में माइक्रो ट्रेंड्स और नीस एस्थेटिक्स का चलन ज्यादा है। एक युवा आज यह जानने के लिए किसी फैशन मैगजीन के अगले अंक का इंतजार नहीं करता कि कौन सा फैशन इन दिनों ट्रेंड है या कि इस मौसम में क्या पहनना चाहिए? वास्तव में उसके फोन में ही दिन भर नए-नए विकल्प और ट्रेंड की झड़ी लगी रहती है।

इंडिविजुएलिटी सबसे इंपॉर्टेंट: स्टाइल ट्राइब्स की सबसे बड़ी खूबी इंडिविजुएलिटी यानी आइडेंटिटी है। आज के युवा फैशन में लैंगिक पहचान भी धुंधली हो रही है। आप निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि यह शर्ट लड़कियों के लिए है या लड़कों के लिए। ओवरसाइज्ड शर्ट, वाइड-लेग ट्राउजर अब लड़का-लड़की दोनों पहनते हैं। यहां तक कि रंगों में भी अब बहुत फर्क नहीं रह गया। जहां लड़कों ने बहुत कुछ लड़कियों जैसा अपनाया है, वहीं आज लड़कियों के फैशन में एक मैस्कूलिन टेलरिंग का लुक नजर आ रहा है। विशेषकर ओवरसाइज्ड शर्ट, जैकेट और यूटैलिटीरियन क्लोथिंग के मामले में। भारतीय युवा हमेशा ग्लोबल ट्रेंड को लोकल कल्चर के साथ मिलाकर अपनाते हैं। इसमें उनकी अपनी निजी पहचान, निजी पसंद और निजी सोच शामिल है।



कुछ पसंदीदा फैशन ट्रेंड्स: आज के यंगस्टर्स को कुछ फैशन स्टाइल बहुत पसंद हैं। **जेंटल वुमेन-** पुरुषों के पहनावे को महिलाओं की शैली में फिटिंग के साथ मिलाने वाला लुक। **आर्किविस्ट-** विंटेज, रेट्रो और आर्काइवल फैशन को आज के तरीके से पहनना। **बोहो बूढ़ी-** अर्थी कलर्स यानी मिट्टी और प्रकृति से जुड़े रंग के खुले-खुले, ढीले-ढाले कंफर्टेबल ड्रेस। **स्ट्रेटवियर ट्राइब्स-** ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, स्नीकर्स, कागो, हुडीज और ग्राफिक एलेमींट। **मिनिमलिस्ट-** कम रंगीन, क्लीन सिलहड्रूड्स और सिंपल एक्सेसरीज तथा टाइमलेस पीसेज। **देसी प्यूजन-** इसमें इंडियन ड्रेसिंग के साथ वेस्टर्न आउटफिट्स को केरी किया जाता है। *

सावन-भादो का महीना, कजरी तीज के अवसर पर एक समय तक गांवों-कस्बों में झूलों की बहार छा जाता करती थी। बीते दौर की फिल्मों में भी कई ऐसे यादगार गीत रचे गए, जो झूलों पर केंद्रित थे। ऐसे ही कुछ सदाबहार गीतों और फिल्मी दृश्यों पर एक नजर।

फिल्मों में अब नहीं दिखती झूमते झूलों की बहार



‘जुर्माना’ के गीत ‘सावन के झूले पड़े, तुम चले आओ’



‘दो बीघा जमीन’ का गीत ‘हरियाला सावन ढोल बजाता आया’

नायिका मधुबाला झूले पर कभी बैठी हुई नजर आती हैं, तो कभी खाली झूला हवा में लहराता हुआ, संगीत को इस तरह से बिखेरता है कि मन वहीं ठहर सा जाता है।



‘बैजू बावरा’ का गीत ‘झूले में पवन के आई बहार’



‘बहू बेगम’ का गीत ‘पड़ गए झूले, सावन रुत आयी रे’

प्रीत का माइलस्टोन झूला गीत: सन 1952 में आई मूवी ‘बैजू बावरा’ का गीत, ‘झूले में पवन के आई बहार’ आज भी माइलस्टोन माना जाता है। मोहम्मद रफी तथा लता



‘दामिनी’ का गीत ‘बिन साजन झूला झूले’

मंगेशकर की चहकती आवाज में गाए इस गीत की एक-एक लाइन बरखा बहार की तरंगों में समाहित कर देती है। नायिका का कहना, ‘ओ डोले मुन मोरा सजना, चुनरिया बार-बार ढलके, झूले में पवन के आई बहार’ और ‘नायक’ का- ‘भोरी तान से ऊंचा तेरा झूलना गोरी, तू है जीवन सिंगार प्यार छलके..।’ बस यहीं पर ठहर जाती है, दो प्रेमियों की दुनिया और उनके सपने। **लोकप्रिय हुआ यह फिल्मी कजरी गीत:** सावन-भादो के महीने से ही त्योहार आने आरंभ होते हैं और नवविवाहिताएं अपने पीछर में आती हैं। यहां पर वे अपने विरह को, अपने प्रियतम को याद करने के लिए जिस एकांत को तलाशती हैं, वह उन्हें कभी कदंब की डार पर, कभी आम की तो कभी नीम की ओर कभी-कभी आंगन में देहरी पर पड़े झूलों पर ही मिलती है। इन पर बड़ी संख्या में गीत रचे गए हैं। इनमें से कई आज भी खूब गाए-गुनगुनाए जाते हैं। इन कुछ गीतों में बूज का प्रतिनिधित्व करने वाला वहला का लोकरंग में रंगा गीत आज भी हर किसी की पसंद है। चंद्राणी मुखर्जी तथा सुशील कुमार को आवाज में यह गीत है, ‘झूला तो पड़ गए अमृता को डाल पे जी, ये जी कौन राधा को गोपाला बिना राधा को, झुलावे झूला कौन..।’ वर्ष 1982 में आई फिल्म ‘बूज भूमि’ में शामिल



महानगरों में सोशलाइजेशन के नए ठिकाने बनते रनिंग क्लब

हाल के दिनों में महानगरों के पार्कों में सुबह के समय रनिंग क्लब्स से जुड़कर दौड़ते युवा एक नए सामाजिक बदलाव की तस्वीर पेश कर रहे हैं। रनिंग क्लब फिटनेस के साथ-साथ दोस्ती, नेटवर्किंग और सामुदायिक जुड़ाव का नया मंच बन रहे हैं।

न्यू लाइफस्टाइल
विवेक कुमार

रविवार की सुबह के 6 बजे हैं। दिल्ली के लोधी गार्डन, मुंबई के मरीन ड्राइव, बैंगलुरु के कब्बन पार्क और हैदराबाद के केबीआर पार्क में सैकड़ों युवा एक साथ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। दौड़ खत्म होने के बाद कोई काँफी पर चर्चा कर रहा है, कोई किसी मैराथन की योजना बना रहा है और कोई नए दोस्तों के साथ तस्वीरें साझा कर रहा है। यह दृश्य बताता है कि भारत के बड़े शहरों में ‘रनिंग क्लब’ अब केवल फिटनेस की जगह नहीं रहे, बल्कि युवाओं की नई सोशल लाइफ बन चुके हैं।

नया सोशल मीटिंग प्वाइंट: जिस तरह एक समय कैफे, मॉल और पब युवाओं के मिलने-जुलने के प्रमुख ठिकाने हुआ करते थे, उसी तरह अब रनिंग ट्रैक और पार्क नई पीढ़ी के सामाजिक मिलन का केंद्र बन रहे हैं। दरअसल कोविड-19 महामारी के बाद लोगों की रोजमर्रा की जीवनशैली में बड़ी बदलाव आया है। घर से काम, लंबे समय तक



स्क्रीन के सामने बैठना और सीमित सामाजिक संपर्क ने युवाओं को ऐसी गतिविधियों की तलाश करना सिखा दिया है, जहां स्वास्थ्य भी सुधरे और लोगों से जुड़ने का अवसर भी मिले। रनिंग क्लबों ने इस जरूरत को बहुत अच्छी तरह से पूरा किया है। यहां कोई सदस्यता शुल्क नहीं है, कोई औपचारिकता नहीं है और न ही किसी विशेष फिटनेस की अनिवार्यता है। बस खेल भावना और नियमितता चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित दौड़ तनाव कम करने, अच्छी नींद पाने और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इसलिए भी कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम करने वाले युवा सप्ताह भर के तनाव को कम करने के लिए वीकेंड की सुबह रनिंग क्लबों का हिस्सा बन रहे हैं।

बढ़ती है सोशल नेटवर्किंग: मौजूदा समय में हमारे महानगरों में नौकरी और अन्य कार्यों से लाखों युवा अकेले रहते हैं, उनके लिए नए दोस्त बनाना आसान नहीं है। ऐसे में रनिंग क्लब उनकी इस कमी को पूरा करते हैं। दौड़ के दौरान होने वाली बातचीत, समूह अभ्यास और सप्ताहांत की गतिविधियां उन्हें एक-दूसरे के साथ जोड़ती हैं। आज कई स्टार्टअप

फाउंडर्स, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, जर्नलिस्ट और कॉलेज स्टूडेंट रनिंग क्लबों के माध्यम से एक-दूसरे से परिचित हो रहे हैं। यह प्रोफेशनल नेटवर्किंग का भी एक प्रभावी मंच बन गया है। **फिजिकल फिटनेस रखे सही:** आज कई रनिंग क्लब्स में हर सप्ताह समूह दौड़, मैराथन की तैयारी, फिटनेस चैलेंज और प्रेरणादायक कहानियां साझा करने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे नए लोग भी इस संस्कृति से जुड़ने के लिए प्रेरित होते हैं। देश में पिछले कुछ सालों में मैराथन आयोजनों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है। आज मुंबई मैराथन, दिल्ली हाफ मैराथन, बैंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई के प्रमुख रनिंग इवेंट्स में हजारों लोग भाग ले रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले अधिकांश नए धावक किसी रनिंग क्लब से जुड़कर ही तैयारी



करते हैं। इन रनिंग क्लबों में स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, फिटनेस टेक्नोलॉजी, वियरेबल डिवाइस और कम्प्यूटरी हेल्थ से रिलेटेड प्रोग्राम और लोग भी जुड़ते हैं। इसलिए इन क्लबों का चार्म दिन पर दिन बढ़ रहा है। **महिलाओं की बढ़ी भागीदारी:** पहले सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की दौड़ सीमित दिखाई देती थी। लेकिन इन रनिंग क्लबों में महिलाओं की अच्छी-खासी भागीदारी देखी जा रही है। अनेक शहरों में महिला रनिंग ग्रुप भी सक्रिय हैं। ये समूह महिलाओं को सुरक्षित वातावरण, प्रेरणा और नियमित अभ्यास का अवसर देते हैं। कई महिलाओं ने इन रनिंग क्लबों के माध्यम से न केवल अपना स्वास्थ्य सुधारा है बल्कि अपने आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

निभाते हैं सामाजिक जिम्मेदारी: रनिंग क्लब दौड़ के माध्यम से लोगों को हेल्थ के प्रति अवेयर तो करते ही हैं, साथ-साथ रक्तदान शिविर, पर्यावरण सुरक्षा अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम और चैरिटी रन जैसे सामाजिक अभियानों का भी आयोजन ये क्लब करते हैं। इनसे युवाओं में सामाजिक भागीदारी की भावना विकसित होती है। *

यंगस्टर्स इसलिए पसंद करते हैं रनिंग क्लब

- ▶ फिटनेस एक्टिविटीज अकेले में करना उबाऊ लेकिन समूह में आकर्षक महसूस होती है।
- ▶ इससे नए दोस्त बनाने के साथ प्रोफेशनल नेटवर्किंग को बढ़ाने में मदद मिलती है।
- ▶ इससे तनाव और अकेलेपन से राहत मिलती है।
- ▶ इन रनिंग क्लबों के जरिए मैराथन दौड़ की वैज्ञानिक तैयारी हो जाती है।
- ▶ ऐसे रनिंग क्लबों में महिलाओं को भी अनुकूल माहौल मिलता है।
- ▶ इन रनिंग क्लबों के जरिए कम खर्च में नियमित और प्रभावी व्यायाम करना संभव हो जाता है।

यह गीत असल में कजरी गीत है और मूवी में आने से पहले ही ब्रज क्षेत्र में गाए जाने वाले गीतों में प्रमुख बन गया। **ये गीत भी किए गए खूब पसंद:** फिल्मों में शामिल झूला गीतों में फिल्म ‘निगाहे’ का ‘सावन के झूलों ने मुझको बुलाया, मैं परदेसी घर वापस आया’, ‘सरगम’ का ‘सावन बीतो जाय पहिरवा’ तथा ‘दामिनी’ का ‘बिन साजन झूला झूलूं, मैं वादा कैसे भूलूं’ भी हैं। मनोज कुमार तथा जीवन अमान की फिल्म ‘रोटी कपड़ा और मकान’ में भले ही कुछ दृश्य हों पर जब जीवन अमान झूले पर बैठकर, पेगें बढ़ाती हुई कहती हैं- ‘हाय-हाय ये मजबूरी, ये मौसम और ये दूरी... कितने सावन बीत गए, बैठी हूं आस लगाए’, जिस सावन में मिले सजनवा वो सावन कब आए, * आए’ तो लगता है कि सच में कोई विरहणी अपने प्रेमी को याद कर रही है। फिल्म ‘बहू बेगम’ का ‘पड़ गए झूले, सावन रुत आयी रे’,



‘निगाहे’ का गीत ‘सावन के झूलों ने’

‘दो बीघा जमीन’ का ‘हरियाला सावन ढोल बजाता आया’, सन 1966 की ‘देवर’ फिल्म का ‘झूला किनारों पे’ तथा मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म ‘गंगा की कसम’ का ‘बनना रे बाग में झूला झूला’ आदि आज भी सुना जाता है। **झूला नाम पर केंद्रित फिल्में:** बॉलीवुड के कुछ फिल्मकारों ने तो झूला नाम पर भी फिल्में बनाई हैं। सन 1941 में लीला चिटनिस और अशोक कुमार के अभिनय से सजी फिल्म ‘झूला’ का गीत, ‘झूले के संग झूलो मेरे मन’ खासा चर्चित हुआ। सन 1962 में ‘झूला’ नाम से ही एक और फिल्म बनी। इसमें सुनील दत्त, वैजयंती माला मुख्य भूमिका में थे। भले ही इसमें झूले को अधिक महत्व नहीं दिया गया हो, पर मन्ना डे की आवाज में गंभीर किस्म का यह गीत खूब पसंद किया गया। गीत के बोल थे, ‘एक समय पर दो बरसातें, बादल के संग आंख भी बरसे, चारों ओर है जल-थल-थल, फिर प्यासा मक्का परसे।’ *